

11, 5. सविता und सोता P. 7, 2, 44. सोष्यते und सोष्यति (Kāṇḍ. Up. 3, 17, 5); सूप्यत्ति und सोष्यत्ति Cat. Br. 14, 9, 4, 22. सूतवे RV. 10, 184, 3. AV. 1, 11, 2. सूतितवे 6, 17, 1. सूतौ Kāc. zu P. 7, 2, 44. TS. 2, 1, 5, 4. partic. सूत, सुत (s. besonders; nur wegen सुत und सुषति ist die Annahme von सु mit kurzem उ gerechtfertigt) und सून (P. 8, 2, 45. Vop. 26, 88. fig.). zeugen, gebären RV. 1, 135, 8. 164, 17. 168, 9. नारी नयं सुसाव 7, 20, 5. सूष्यत्ति 5, 78, 5. असूत पूर्वा वर्षभः wurde geboren 3, 38, 5. यदीं सुवाते उपसा 5, 1, 1. 2. 2. स्तरीयत्सूतं 10, 31, 10. सुवाना पुत्रान् AV. 2, 36, 3. brüten (von Vögeln) RV. 1, 164, 22. pass. wohl hierher: असावन्यो अमुर सुत योः 10, 132, 4. — In der späteren Sprache meist in der Bed. gebären: आयुष्मन्तं सुतं सूते M. 3, 263. 9, 9. 10, 39. Spr. (II) 1748. Varāh. Brh. S. 51, 41. सुवाते R. 1, 23, 14. असूत Ragh. 3, 13. 15, 13. Kūmāras. 1, 20. Kathās. 23, 64. 28, 66. 42, 70. Prabh. 11, 10. Bhāg. P. 3, 1, 30. 17, 18. 26, 19. 4, 1, 34. 38. 13, 15. 24, 8. 9, 20, 17. 24, 47. सूयते Kūlikop. in Ind. St. 9, 12. असूयत MBh. 1, 2599. Bhāg. P. 4, 1, 39. 51. सुषुवे MBh. 1, 2539. 5908. 3, 8844. 16638. R. 2, 90, 11. 92, 21. R. Gorr. 2, 99, 14. 5, 36, 57. Ragh. 5, 36. 7, 54. Mārk. P. 104, 8. Rāga-Tar. 1, 74. Bhāg. P. 3, 23, 48. 4, 13, 18. 6, 18, 11. 9, 11, 11. Pañāt. 238, 6 (सुषुवे gedr.). सुषुविरे Kathās. 39, 18. सुषाव MBh. 1, 4765. R. Gorr. 1, 39, 16. Mārk. P. 104, 6. सुषुवम् 49, 3. सोष्यते Kathās. 21, 35. 34, 43. सूवा Bhāg. P. 5, 2, 19. सूय MBh. 3, 10004. pass.: कौसल्यपासावि सुखेन रामः प्राक् Bhatt. 1, 14. erzeugen: सूते M. 10, 32. 34. सुषुवे (subj. Mann und Weib) Çāk. 186. pass.: अक्रूरः सुषुवे तस्मात् Hariv. 1916. erzeugen uneig.: प्रकृतिः सूयते सचराचरम् Bhāg. 9, 10. फलं सूते पादयः Kathās. 27, 99. असूत सद्यः कुसुमान्यशोकः Kumāras. 3, 26. खनिभिः सुषुवे रत्नं लेत्रैः सस्यं वनैर्गजान् (भूः) Ragh. 17, 66. पयः सूते ऽथ मेदिनी, रत्नं वैडूर्यभूः Rāga-Tar. 4, 300. सूयन्तु Bhāg. P. 3, 8, 13. धूमात् — पयः सूते धनस्पादमः Spr. (II) 3162. धर्मं सूयति प्रजाः MBh. 3, 11298. — partic. सूत mit act. Bed. = प्रसूत H. an. 2, 208. Med. t. 72. fig. सूता gekalbt habend M. 8, 242. वन्ये सहे सूते wenn ein wildes Thier Junge geworfen hat Varāh. Brh. S. 91, 3. — Vgl. सवित्री.

— निम् वgl. निःसृति.

— प्र 1) gebären: प्रसूते स्म सुतम् Kathās. 39, 19. 56, 287. Mārk. P. 51, 114. प्रसूत R. 7, 35, 21. Kathās. 17, 65. कन्या प्रसूयते MBh. 3, 13057. 4, 71. Shadv. Br. 5, 11. Suçr. 1, 367, 18. Spr. (II) 1403. Varāh. Brh. 5, 8. 11. 16. Pañkār. 1, 8, 34. गौर्या प्रतिवर्षं प्रसूयते Schol. zu P. 5, 2, 12. प्रसूयते मिथुनान्येव ताः Mārk. P. 49, 10. प्रसवति MBh. 1, 6077. प्रसवत्ती M. 4, 44. प्रसुषुवे Bhāg. P. 3, 17, 2. प्रसोष्ट Rāga-Tar. 3, 106. 4, 39. Bhatt. 1, 14. प्रसविष्यति R. 7, 9, 24. Mārk. P. 51, 113. 77, 6. Bhāg. P. 3, 21, 29. प्रसोष्यत्ति 11, 1, 15. प्रसूय Çāk. 94. 95. v. l. Kathās. 14, 38. Prabh. 11, 10. प्रसोतुम् Bhatt. 1, 13. erzeugen: प्रसूयते M. 10, 27. 30. fig. अनेन प्रसविष्यधम् Nachkommenschaft haben Bhāg. 3, 10. erzeugen in uneig. Bed.: (बुद्धिः) प्रसूते किं फलं श्रीमदरणीव कृताशनम् Kām. Nitis. 13, 2. Spr. (II) 7062. धूमं प्रसूति (अग्निः) Rāga-Tar. 5, 125. अष्टमासधृतं गर्भम् — योः प्रसूयते R. 4, 27, 3. प्रसूयते संगतिः श्रियम् Prabh. 86, 18. (द्रुमाः) शयनानि प्रसूयते चित्रास्तरणवति R. 4, 44, 99. Mārk. P. 49, 30. 59, 19. दीपः कञ्जलं प्रसूयते Spr. (II) 2816. तरवः प्रासूयत trugen Früchte Bhāg. P. 4, 19, 8. यथा प्रसूयमानस्तु फली दद्यात्फलं बहु MBh. 14, 498. (शास्त्रविट्टी)

फलं प्रसूय Spr. (II) 5426. — 2) geboren werden, entspringen, entstehen: कारावरो निषादात्तु चर्मकारः प्रसूयते M. 10, 36. तिर्यग्योनौ प्रसूयते MBh. 3, 12500. अस्यामेव प्रसूयधम् 1, 2502. 2504. एतस्माच्च जगतसर्वं प्रसूयते जनार्दनात् Hariv. 11053. प्रसूयतम् 2. du. MBh. 13, 2565. प्रसूयामस् Hariv. 173 = VP. 1, 15, 128. सर्वेषां खलु मर्त्यव्यं मर्त्यलोके प्रसूयता Spr. (II) 6949. सिन्धोः प्रसूय कमला Rāga-Tar. 6, 317. प्र केशीः सुवते TBr. 2, 7, 17, 1. शब्दः u. s. w. वेदादेव प्रसूयते M. 12, 98, v. l. — 3) partic. प्रसूत a) mit act. Bed. f. श्री geboren habend, niedergekommen (die Ergänzung im acc.; hier und da statt des verbi finiti) AK. 2, 6, 16. Med. t. 124. Halā. 118. 285. 345. AV. 12, 1, 62. Jāgñ. 2, 145. Suçr. 2, 180, 8. देवसदृशान्पुत्रान् Hariv. 4625. R. 7, 66, 3. Uttarak. 38, 7 (52, 1). Weber, Kṛṣṇag. 249. 282. fig. 289. Kathās. 21, 117. 29, 137 (शतपदी). Mārk. P. 51, 101. Schol. zu P. 2, 1, 65. Pañāt. 218, 21. Hit. 72, 14. ऋ° Spr. (II) 2055. प्रत्यग्र° Schol. zu Kāt. Çr. 24, 6, 8. जननी प्रसूतनया deren Tochter niedergekommen ist Spr. (II) 6033. प्रसूतमात्रा eben niedergekommen Kathās. 28, 67. — b) geboren, erzeugt, entspringen, entstanden H. an. 3, 273. Med. mit gen. oder loc. (auch abl.) P. 2, 3, 39. Vop. 5, 29. Çvetāçv. Up. 5, 2. Kaush. Up. 1, 2. तस्याम् M. 3, 19. ततः MBh. 1, 35. मम कायात् R. 2, 74, 21. तदन्वये Ragh. 1, 12. नीचकुले Spr. (II) 6475. यस्य तस्य 5369. Mārk. P. 104, 8. R. 1, 16, 26. Çāk. 178, v. l. Spr. (II) 1431. Varāh. Brh. S. 48, 11. Brh. 23, 14. Mārk. P. 76, 17. Weber, Kṛṣṇag. 266. 284. एतद्देश° M. 2, 20. कालनेमि° Çāk. Ch. 144, 4. Kathās. 50, 139. Bhāg. P. 6, 6, 24. 9, 6, 3. कुल° R. 2, 82, 31 (Pferde). Spr. (II) 5970. Bhāg. P. 9, 3, 21. नन्दकुल° Pañāt. 43, 2. वेद° Prabh. 86, 19. विन्ध्यपाद° (नदी) Mārk. P. 57, 25. Bhāg. P. 9, 9, 14. Pañkār. 1, 7, 40. कल्पवृत्त° (मधु) Megh. 67. मत्प्रसूतं भयम् MBh. 3, 2844. मत्प्रसूतेन तेजसा 11970. भीष्म° (डुःख) 5, 7029. धर्मविशेष° Kan. 1, 1, 4. सरलद्रुमाणां सुततीरतया प्रसूतो गन्धः Kumāras. 1, 9. प्रसूतं तर्हि सोष्यं नः Z. f. d. K. J. M. 2, 426. — c) n. als Synonym von अयुक्त Tattvas. 5. — 4) partic. प्रसून a) = प्रसूत H. an. 3, 388. = ज्ञात Med. n. 87. — b) n. Blüthe, Frucht; s. u. प्रसून. In der Bed. Blüthe auch Spr. (II) 7411, v. l. Uttarak. 98, 6 (129, 12). Mālatim. 57, 13. Bhāg. P. 3, 18, 8 (engendréd Burnouf). Pañkār. 1, 7, 50. — Vgl. 3. प्रसव, प्रसवन, 2. प्रसवितर, 2. प्रसविन्, प्रसूत, 2. प्रसूति, प्रसून, देवप्रसूत (hierher oder zu 2. सु).

— अनुप्र, partic. °सूत darauf entstanden: सृष्टिस्तथैवियमनुप्रसूता MBh. 13, 7361.

— अभिप्र, partic. °सूत erzeugt, geboren: मातुः पितुः कर्मणाभिप्रसूतः संवर्धते विधिवद्भोजनेन MBh. 5, 964.

— संप्र 1) erzeugen: °सूते MBh. 13, 2582. °सूयते M. 10, 33. — °सूयते MBh. 13, 5850 fehlerhaft für °णूयते, wie die ed. Bomb. liest. — 2) geboren werden: तदाहं संप्रसूयामि गृहेषु शुभकर्मणाम् MBh. 3, 12978. — 3) partic. °सूत erzeugt, geboren: बह्वीः प्रजाः पुरुषात् Munp. Up. 2, 1, 5. शर्मिष्ठया MBh. 5, 5044. ब्रह्मास्यतस् बाहुभ्याम् 12, 11814. 13, 4426. गुणविपुलेषु कुलेषु R. 4, 41, 79. माया गुणसंप्रसूता Bhāg. P. 11, 10, 13. — Vgl. संप्रसूति.

— वि gebären: सुमत्पयि गर्भं तुम्बं व्यसूयत R. Gorr. 1, 40, 17.

— सम् dass.: शार्द्वतस्य (so die neuere Ausg.) दायदमकृत्या समसूयत Hariv. 1784. erzeugen in uneig. Bed.: दत्तं श्रेयांसि संसूते (Conj.) Spr.